भारत का पहला ज़ीरों-वेस्ट हवाई अड्डा

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **इंदौर** स्थित **देवी अहल्याबाई होलकर हवाई अड्डा 3000 वर्ग फुट सामग्री पुनर्प्राप्ति सुविधा** के उद्घाटन के साथ **भारत का पहला ज़ीरों-वेस्ट हवाई अड्डा** बन गया।

- **अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली:**
- नई **सामग्री पुनर्प्राप्ति सुविधा** में हवाई अड्डे और विमान दोनों से अपशिष्ट को अलग करने और पुनर्चक्रित करने के लिये एक **व्यापक अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली की सुविधा** है।
- **गीले अपशिष्ट को उर्वरक** में परिवर्तित किया जाएगा, जो **4R सिद्धांत** पर आधारित हवाई अड्डे की ज़ीरों-वेस्ट पहल के अनुरूप होगा: **Reduce, Reuse, Recycle, and Recover** (कम करना, पुनः उपयोग करना, पुनर्चक्रित करना, पुनर्स्थापित करना)।
- **विस्तृत योजनाएँ:**
- इसके अलावा, **केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ने** घोषणा की कि अगले **तीन वर्षों में इंदौर हवाई अड्डे की क्षमता 40 लाख यात्रियों** से बढ़ाकर **90 लाख यात्री प्रति वर्ष कर दी जाएगी।**
- **थाईलैंड** और **अमेरिका** सहित **अंतर्राष्ट्रीय गंतव्यों** तक कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिये एयरलाइनों के साथ चर्चा चल रही है।
- **बुनियादी ढाँचा विकास:**
- केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ने हवाई अड्डे पर **55 करोड़ रुपए** की लागत से निर्मित नए **हवाई यातायात नियंत्रण टावर का भी उद्घाटन किया।**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/indias-first-zero-waste-airport